TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
https://www.facebook.com/teachersofbihar
https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar
www.teachersofbihar.org

2024

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

23 अप्रैल

1. **वीर कुँवर सिंह जयन्ती–** वीर कुँवर सिंह का जन्म 23 अप्रैल, 1777 ई. को बिहार के भोजपुर (आरा) जिले में जगदीशपुर में हुआ था। 1857 की क्रांति में वीर कुँवर सिंह ने आरा से भारतीय सैनिकों का नेतृत्व किया और अंग्रेजों के साथ लड़े। 23 अप्रैल, 1858 ई. को जगदीशपुर के पास लगभग अस्सी वर्ष की उम्र में अंतिम लडाई लड़ी। ईस्ट इंडिया कम्पनी के सैनिकों को इन्होंने पूरी तरह खदेड़ दिया। उसी दिन वे बुरी तरह घायल भी हो गये फिर भी जगदीशपुर किले से अंग्रेजों के 'यूनियन जैक' झंडे को उतार कर ही दम लिया।
   - **संदर्भः** बच्चों को हिन्दी की पाठ्यपुस्तक **किसलय भाग 2, पाठ 5 वीर कुँवर सिंह** तथा **अतीत से वर्तमान, भाग 3, अध्याय 6,** पृष्ठ 92 से जोड़कर बतायें।

2. **विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस–** इस दिवस का उद्देश्य पठन–पाठन, प्रकाशन और कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। पहली बार 'पुस्तक दिवस' 23 अप्रैल, 1955 ई. को मनाया गया था। स्पेनीश लेखक मिगुएल–डी–सर्वेन्ट का निधन 23 अप्रैल को ही हुआ था। उनकी याद में 1923 से कैटालोनिया, स्पेन के पुस्तक विक्रेताओं ने पुस्तक दिवस मनाने की शुरूआत की। दूसरी धारण यह है कि इस दिन संत जॉर्ज दिवस भी मनाया जाता है, जिसमें पुरूष अपनी महिला को गुलाब देता है, बदले में महिला अपने प्रेमी को एक पुस्तक उपहार में देती है। पुरे साल की लगभग आधी पुस्तक की बिक्री इन दिनों में स्पेन में होती है। इसी दिन कई प्रसिद्ध साहित्यकारों जैसे विलियम शेक्सपीयर, व्लादिमीर नबोकोव, इन्का गर्सिलासो का निधन हुआ था, जिसकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है।
   - **संदर्भः** बच्चों को अंग्रेजी की पाठ्यपुस्तक **रेडियंस भाग 2, पाठ** 16 से जोड़कर चर्चा करें।

3. **पंडिता रमाबाई का जन्म–** प्रख्यात विदुषी समाजसुधारक रमाबाई डोंगरे का जन्म 23 अप्रैल, 1858 ई. को महाराष्ट्र के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उन्होंने 12 वर्ष की अवस्था में ही संस्कृत के 20हजार श्लोक याद कर लिये थे। इसी कारण उनको 'पंडिता' एवं 'सरस्वती' जैसी उपाधि से विभूषित किया गया। उन्होंने महिला मुक्ति हेतु 1881 ई0 में पुणे में 'आर्य महिला समाज' की स्थापना की तथा अछूतोद्धार हेतु संघर्ष करते हुए स्वयं का विवाह बिपिन बिहारी मेधावी नामक बंगाली अछूत से किया। बाद में उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया। स्त्री शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु 1912 ई0 में गुलबर्गा में 'ईसाई हाई स्कूल' की स्थापना की। इनके कार्यों से प्रभावित होकर ब्रिटिश सरकार ने इन्हें 1919 ई0 में 'कैसर–ए–हिन्द' से सम्मानित किया। पंडिता रमाबाई का निधन 5 अप्रैल, 1922ई. को हुआ था।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान, भाग 3, अध्याय 9,** पृष्ठ 134

T u e s d a y

दिवस विशेष

23 अप्रैल

मधु प्रिया

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस 23 अप्रैल

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस (World Book and Copyright Day) प्रत्येक वर्ष '23 अप्रैल' को मनाया जाता है। इसे 'विश्व पुस्तक दिवस' भी कहा जाता है। इंसान के बचपन से स्कूल से आरंभ हुई पढ़ाई जीवन के अंत तक चलती है। लेकिन अब कम्प्यूटर और इंटरनेट के प्रति बढ़ती दिलचस्पी के कारण पुस्तकों से लोगों की दूरी बढ़ती जा रही है। आज के युग में लोग नेट में फंसते जा रहे हैं। यही कारण है कि लोगों और किताबों के बीच की दूरी को पाटने के लिए यूनेस्को ने '23 अप्रैल' को 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यूनेस्को के निर्णय के बाद से पूरे विश्व में इस दिन 'विश्व पुस्तक दिवस' मनाया जाता है।उच्च उद्देशीय अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा विकास की भावना से प्रेरित 193 सदस्य देश तथा 6 सहयोगी सदस्यों की संस्था यूनेस्को द्वारा विश्व पुस्तक तथा स्वामित्व (कॉपीराइट) दिवस का औपचारिक शुभारंभ 23 अप्रैल 1995 को हुआ था। इसकी नींव तो 1923 में स्पेन में पुस्तक विक्रेताओं द्वारा प्रसिद्ध लेखक मीगुयेल डी सरवेन्टीस को सम्मानित करने हेतु आयोजन के समय ही रख दी गई थी। उनका देहांत भी 23 अप्रैल को ही हुआ था। मध्यकाल में 23 अप्रैल के दिन प्रेमी अपनी प्रेमिका को गुलाब का फूल भेंट करता था तो प्रेमिका उत्तर में अपने प्रेमी को एक पुस्तक देती थी। ऐसी एक फूल के बदले पुस्तक देने की परंपरा भी उस समय प्रचलित थी। 23 अप्रैल का दिन साहित्यिक क्षेत्र में अत्यधिक महत्वपूर्ण है चूँकि यह तिथि साहित्य के क्षेत्र से जुड़ी अनेक विभूतियों का जन्म या निधन का दिन है।उदाहरणार्थ 1616 में 23 अप्रैल को सरवेन्टीस, शेक्सपीयर तथा गारसिलआसो डी लाव्हेगा, मारिसे ड्रयन, के. लक्तनेस, ब्लेडीमीर नोबोकोव्ह, जोसेफ प्ला तथा मैन्युएल सेजीया के जन्म/ निधन के दिन के रूप में जाना जाता है। विलियम शेक्सपीयर के तो जन्म तथा निधन की तिथि भी 23 अप्रैल थी। अतः विश्व पुस्तक तथा कॉपीराइट दिवस का आयोजन करने हेतु 23 अप्रैल का चयन एक निश्चित विचारधारा के अंतर्गत किया गया।

वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव 23 अप्रैल

राकेश कुमार

वीर कुंवर सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सैनिकों में से एक थे। इनके चरित्र की सबसे बड़ी ख़ासियत यही थी कि इन्हें वीरता से परिपूर्ण कार्यों को करना ही रास आता था। इतिहास प्रसिद्ध 1857 की क्रांति में भी इन्होंने सम्मिलित होकर अपनी शौर्यता का प्रदर्शन किया। बाबू कुंवर सिंह ने रीवा के ज़मींदारों को एकत्र किया और उन्हें अंग्रेज़ों से युद्ध के लिए तैयार किया। तात्या टोपे से भी इनका सम्पर्क था।

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 23.04.2024

रचनात्मकता अवधारणा

रॉबर्ट ई. फ्रेंकेन द्वारा ह्यूमन मोटिवेशन, तीसरे संस्करण से: रचनात्मकता को उन विचारों, विकल्पों या संभावनाओं को उत्पन्न करने या पहचानने की प्रवृत्ति के रूप में परिभाषित किया गया है जो समस्याओं को हल करने, दूसरों के साथ संवाद करने और खुद और दूसरों का मनोरंजन करने में उपयोगी हो सकते हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

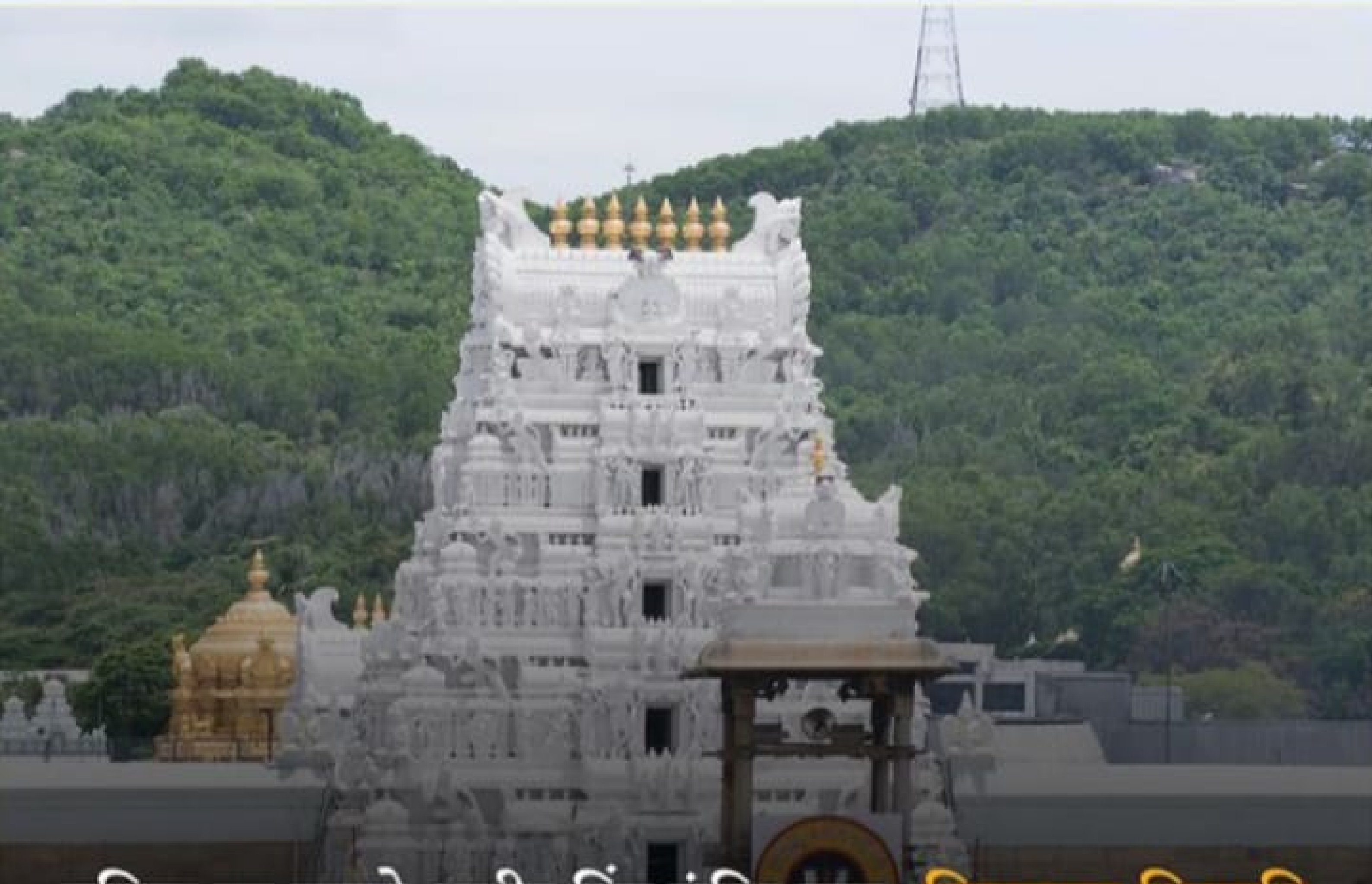

दुनिया का सबसे अमीर हिंदू मंदिर ट्रस्ट, **तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम** (TTD) का नकद भंडार लगभग **18,817 करोड़** रुपये पहुंच गया है। इसके अलावा हर साल **ट्रस्ट** को **ब्याज** के रूप में **1,600 करोड़ रुपये** की भारी राशि मिलती है।

कुश्ती

विनेश ने भारत को दूसरा कोटा दिलाया

विनेश ने भारत को पेरिस ओलिंपिक के लिए रेसलिंग का दूसरा कोटा दिलाया है। उनसे पहले अंतिम पंघाल 53 KG में ओलिंपिक कोटा हासिल कर चुकी हैं। यह भारत का ओवरऑल ओलिंपिक में 45वां कोटा है। ओलिपिंक क्वालिफायर में फोगाट बिना कोई अंक गंवाए क्वालिफायर के फाइनल तक पहुंचीं।

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 368

वीर कुंवर सिंह की मृत्यु कब हुई थी ?

A. 23 अप्रैल 1865

B. 21 अप्रैल 1858

C. 26 अप्रैल 1858

D. 23 अप्रैल 1868

सही उत्तर: C

23 अप्रैल

प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही,
महानायक,अन्याय विरोधी स्वतंत्रता प्रेमी

वीर कुंवर सिंह

विजयोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं।

मधु प्रिया

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
/teachersofbihar

राष्ट्रभाषा हिन्दी के उन्नायक, प्रखर चिंतक, मनीषी संपादक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और सार्वजनिक कार्यों के लिये समर्पित कार्यकर्ताओं की श्रृंखला तैयार करने वाले प्रेरक-मार्गदर्शक ।

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

पं. माधवराव सप्रे

जी की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।

जन्म-19 जून, 1871 - मृत्यु- 23 अप्रैल, 1926

मधु प्रिया

/teachersofbihar

पुस्तकें ज्ञान का महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं, जो हमारे ज्ञान में वृद्धि और मार्गदर्शन में सहायक होती है।

विश्व पुस्तक एवं कापीराइट दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं।

www.teachersofbihar.org

मधु प्रिया

23 अप्रैल 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

कुछ भी अच्छा या बुरा नहीं होता है हमारी सोच उसे अच्छा या बुरा बनाती है।

विलियम शेक्सपियर

राकेश कुमार